

(Jharkhand), Shrimati Sulata Deo (Odisha) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

**Demand for new railway line between Manamadurai to Vilathikulam in Tamil Nadu**

SHRI R. DHARMAR (Tamil Nadu): Sir, the distance of the existing railway line from Chennai to Thoothukudi via Trichy, Madurai, Kovilpatti is 652 km, and the distance of the new railway project to be laid from Aruppukkottai Vilathikulam to Thoothukudi is 660 km. Both these routes pass through the busy Madurai and Trichy junctions and the distance is not short. But instead of going through Madurai Junction, an alternative railway line can be made from Chennai to Tuticorin which is very much less than 587 km, i.e. 65 km less. For this, a new railway line of only 83 km from Manamadurai to Vilathikulam via Pasumbon, Kamudi, Perunali is enough. The new Thoothukudi-Aruppukkottai link up to Vilathikulam is nearing completion. Apart from Manamadurai Junction, Karaikudi Junction will also be connected to this route, so there will be another connection from Chennai to Thoothukudi via Pattukottai, Trivarur. So, if a small new railway line of 83 kilometres is built, Chennai to Tuticorin can get two more rail links apart from the existing Madurai-Kovilpatti route -- one via Trichy-Pudukkottai-Manamadurai-Kamudi-Vilathikulam and one via Viluppuram-Tiruvavur-Pattukottai-Karaikudi-Manamadurai. You can also get Pondicherry link. The benefits of this programme are numerous. This route will become an alternative to the costly East Coast route due to the availability of a railway connecting the districts along the East Coast. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri R. Dharmar: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri S. Selvaganabathy (Puducherry), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

**Demand to convert Yavatmal-Murtizapur-Achalpur railway line in Maharashtra into a broad gauge**

**डा.अनिल सुखदेवराव बोंडे (महाराष्ट्र) :** उपसभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपके समक्ष बहुप्रतीक्षित यवतमाल-मूर्तिजापुर-अचलपुर नैरो गेज शकुंतला एक्सप्रेस का रूपांतर ब्रॉड गेज में करने की बाबत जीरो ऑवर में बोल रहा हूँ।

महोदय, विदर्भ स्वतंत्रपूर्ण काल से ही कपास के लिए प्रसिद्ध है। मैनचेस्टर के कपड़ा उद्योग के लिए विदर्भ का कपास निर्यात किया जाता था। उस वक्त कपास ले जाने के लिए यवतमाल- मुर्तिजापुर-अचलपुर नैरो गेज शकुंतला एक्सप्रेस शुरू की गई थी। इस ट्रेन के साथ यु. कि केलिक नेक्सन कंपनी उनके करार के अनुसार चल रही थी। 1952 में सभी रेल यंत्रणा का राष्ट्रीयकरण किया गया था। इस राष्ट्रीयकरण में उपरोक्त रेल रूट और शकुंतला एक्सप्रेस रेलवे के राष्ट्रीयकरण से वंचित रही। दस साल पहले यह करार भी समाप्त हो गया और इस कंपनी ने इस नैरो गेज को चलाना बंद कर दिया। उपसभापति महोदय, \* "मैंने ऐसी छुक छुक नैरो गेज रेलवे में यात्रा करने का आनंद लिया है। इस ट्रेन के बंद होने पर पूरा विदर्भ दुखी हुआ था और उनके पुनरुद्धार की मांग पूरे विदर्भ से आ रही है। शकुंतला रेलवे विकास समिति और कई रेलवे संगठन इसके लिए आंदोलन कर रहे हैं, इसलिए रेल मंत्रालय द्वारा इस नैरो गेज रेल मार्ग को ब्रॉड गेज में परिवर्तित करना आवश्यक है।"

महोदय, यवतमाल, अकोला और अमरावती जिलों के महत्वपूर्ण व्यापारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली इस नैरो गेज रेलवे का रूपांतर ब्रॉड गेज में करना सर्वांगीण विकास करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इन तीन जिलों के रेलवे से जुड़ जाने के बाद औद्योगिक विकास तथा कृषि उपज का परिवहन सुलभ हो जाएगा। अचलपुर आदिवासी बेल्ट मेलघाट और यवतमाल अभी तक रेलवे से जुड़ी नहीं है। इसके बाद यह पुनः मुंबई और दिल्ली से डायरेक्टली कनेक्ट हो जाएगी। महोदय, कांग्रेस शासन में अनेक प्रयासों तथा जनता की मांग के बाद भी इसे दुर्लक्षित किया गया। इस नैरो गेज का ब्रॉड गेज में रूपांतरण करने के लिए भू संपादन करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि रेल के पास ही पर्याप्त जमीन उपलब्ध है। इसमें कुछ कानूनी दिक्कतें थीं, लेकिन अब वे दूर हो गई हैं, इसलिए मेरी आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से नम्र विनती है कि बहुप्रतीक्षित यवतमाल-मुर्तिजापुर-अचलपुर नैरो गेज शकुंतला एक्सप्रेस का रूपांतर ब्रॉड गेज में तीव्र गति से शुरू करें और पश्चिम विदर्भ की शान रहने वाली शकुंतला एक्सप्रेस का शुरू होना मागास संभाग के विकास के लिए महत्वपूर्ण घटना रहेगी। महोदय, सरकार यह कदम उठाएगी - मैं ऐसी उम्मीद करता हूं, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Anil Sukhdeorao Bonde: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

#### **Demand to start a superfast train from Manikpur Junction in Uttar Pradesh to Delhi**

**श्री बाबू राम निषाद** (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सदन के समक्ष बुंदेलखंड के चित्रकूट धाम से एक नई ट्रेन चलाने की डिमांड करता हूं, क्योंकि लाखों लोगों का वहाँ पर आवागमन होता है और आज तक चित्रकूट से कोई सीधी ट्रेन नहीं चली है।

\* Hindi translation of the original speech delivered in Marathi.